पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

<u>बेगम हज़रत महल में अभूतपूर्व संगठन शक्ति थी - राज्यपाल</u>
<u>बेगम हज़रत महल पर आधारित लाइट एण्ड साउण्ड कार्यक्रम होना चाहिये - श्री नाईक</u>

लखनऊः 7 अप्रैल, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज बेगम हज़रत महल की पुण्य तिथि के अवसर पर बेगम हज़रत महल पार्क जाकर 1857 के स्वतंत्रता समर की वीरांग्ना को अपनी तथा प्रदेश की जनता की ओर से आदरांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री गैरूल हसन रिज़वी, डा॔0 राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 संजय सिंह, बेगम हज़रत महल सोसायटी के अध्यक्ष श्री अब्दुल नासिर नसीर, आंबेडकर महासभा ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री लालजी प्रसाद निर्मल, गायिका श्रीमती सुनीता झिंगरन सहित अन्य विशिष्टजन भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने संस्था को बधाई देते हुए कहा कि 1857 में बेगम हज़रत महल ने अंग्रेजों से देश को आजाद कराने के लिये युद्ध किया। अंग्रेजों ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता समर को बगावत बताया था। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत का दायित्व है कि देश ऐसे इतिहास का दोबारा लेखन करें तथा स्वर्ण अक्षरों में लिखे। भारत विश्व का सबसे बड़ा जनतंत्र है जहाँ सभी को मतदान का अधिकार प्राप्त है। मतदान से सरकारें बनती हैं और बिगड़ती भी हैं। कठिन परिश्रम से स्वराज प्राप्त हुआ है तो स्वराज को सुराज में परिवर्तित करने के लिए छोटे-छोटे मतभेदों को भुलाकर देश के निर्माण का संकल्प लें, यहीं शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

श्री नाईक ने कहा कि देश का सही इतिहास आम लोगों तक पहुंचना चाहिये। बुजुर्गों को बेगम हज़रत महल की कहानी मालूम है पर युवाओं को भी उसकी जानकारी होनी चाहिये। बेगम हज़रत महल में अभूतपूर्व संगठन शक्ति थी। 1857 में तात्या टोपे, नाना साहब, मंगल पाण्डे, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई जैसे क्रांतिकारियों ने अंग्रेजों से युद्ध किया और बलिदान भी किया। देश के प्रति बलिदान करने वाली बहादुर महिलाओं का इतिहास सामने आना चाहिये। जो देश अपना इतिहास भूलता है वह भविष्य निर्माण नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि बेगम हज़रत महल पर आधारित लाइट एण्ड साउण्ड कार्यक्रम होना चाहिये।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री गैरूल हसन रिज़वी ने कहा कि 1857 के संग्राम की नायिका बेगम हज़रत महल को वे अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। बेगम हज़रत महल का संबंध फैजाबाद से था। अंग्रेज लखनऊ पर कब्जा करना चाहते थे। बेगम हज़रत महल ने हिन्दू एवं मुस्लिम सैनिकों को जोड़कर लड़ाई की तथा अंग्रेजों की साजिश 'फूट डालो और राज करो' को नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता को मजबूत करते हुए सौहार्द और भाईचारे की भावना को बढ़ाने की आवश्यकता है।

आंबेडकर महासभा ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री लालजी प्रसाद निर्मल ने कहा कि प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में लखनऊ की दो महिलाओं, बेगम हज़रत महल और ऊद्धा देवी ने नाम रोशन किया। दोनों महिलाओं से जुड़े स्थलों को महत्व देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के बेगम हज़रत महल पार्क आने से स्थान को नई पहचान मिली है।

डा॔0 राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 संजय सिंह ने बेगम हज़रत महल सोसाइटी के पदाधिकारियों को कार्यक्रम के आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि बेगम हज़रत महल पर अधिक शोध की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के लोगों को प्रदेश की विरासत के बारे में बताया जाना चाहिए।

इस अवसर पर संस्था की ओर से राज्यपाल ने समाज में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु मीर अब्दुल्ला जाफर, प्रधानाचार्या सुश्री राना हसन सहित अन्य लोगों को अंग वस्त्र व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष श्री अब्दुल नासिर नसीर ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

अंजुम/ललित/राजभवन (141/13)

مجاہد آزادی بیگم حضرت محل
کی یوم وفات پر سیمینار
अवध की राजमाता - महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी
बेगम हज़रत महल
बेगम हज़रत
महल पार्क
07 अप्रैल शनिवार